भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 3178
गुरूवार, 19 मार्च, 2026/28 फाल्गुन, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

नागार्जुन सागर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना

3178 श्री गोला बाबूरावः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्वदेश दर्शन 2.0 तथा चुनौती-आधारित गंतव्य विकास के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या यह तथ्य है कि वर्ष 2024-25 के दौरान स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत नागार्जुन सागर में बौद्ध विरासत और सांस्कृतिक अनुभवों के विकास के लिए लगभग ₹25 करोड़ की परियोजना चिह्नित की गई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त समुद्र तट को विकसित करने के लिए किए जाने वाले प्रस्तावित कार्यों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) कार्यों की वर्तमान स्थिति क्या है और इन कार्यों के पूर्ण होने की अपेक्षित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय ने देश में सतत और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के नाम से नया रूप दिया है और इसके तहत 2208.31 करोड़ रुपये की 53 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसके अलावा, मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन के अंतर्गत 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' नामक एक पहल शुरू की है और पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 'संस्कृति एवं विरासत', 'आध्यात्मिक पर्यटन', 'जीवंत ग्राम कार्यक्रम' और 'पारि पर्यटन एवं अमृत धरोहर स्थल' जैसी चार श्रेणियों के तहत देश में 697.94 करोड़ रुपये की 38 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने मार्च, 2025 में सीबीडीडी पहल के तहत आंध्र प्रदेश के ‘नागार्जुन सागर में बौद्ध विरासत और सांस्कृतिक अनुभव को समृद्ध करने’ की परियोजना के लिए 25.00 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी और सूचित किया गया है कि परियोजना कार्यान्वयन के चरण में है। इस परियोजना के संबंध में जारी मंजूरी आदेश के अनुसार, परियोजना की समयसीमा मार्च 2026 निर्धारित की गई है और इसमें गंतव्य प्रबंधन, हरित पर्यटन, डिजिटलीकरण, कौशल विकास और पर्यटन से संबंधित लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) आदि से जुड़े पहल शामिल हैं।

*****